प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

वित्तीय सुविधा योजना पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

पंतनगर। 14 दिसम्बर 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय में भारत सरकार द्वारा संचालित अतिमहत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी 'कृषि अवसंरचना निधि के अन्तर्गत वित्तीय सुविधा योजना' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन गांधी हाल में हुआ। यह कार्यक्रम कृषि निदेशालय, उत्तराखंड एवं पंतनगर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कार्यवाहक कुलपति, डा. जे. कुमार के साथ विशेष अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, डा. ज्ञानेन्द्र मणि एवं कृषि निदेशक, कृषि निदेशालय, उत्तराखंड, डा. के.सी. पाठक, उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि डा. जे. कुमार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक तरीकों एवं संसाधनों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में कृषि संसाधनों की कमी एवं परिस्थितिजन्य कठिनाईयों के कारण कृषि का विकास तथा किसानों की आय बढ़ाने के कार्यों में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। डा. कुमार ने आशा जताई कि सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न वित्तीय योजनायें उत्तराखंड के संसाधनों को सृजित करने में किसानोपयोगी साबित होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि नाबार्ड का योगदान कृषि के क्षेत्र में हमेशा से सराहनीय रहा है और इसके द्वारा कृषि के स्टार्टअप और अन्य कृषि से संबंधित कार्यों के लिए दिये जाने वाली छूट एवं न्यूनतम ब्याज पर ऋण किसानों की आय बढ़ाने हेतु बहुउपयोगी साबित होगा।

डा. मणि ने बताया कि नाबार्ड कृषकों, कृषक संगठनों, बैंकों, कृषि उद्यमियों तथा कृषि से संबंधित अन्य विभागों के लिये विभिन्न प्रकार की नई योजनाएं संचालित कर रहा हैं। उन्होंने यह भी बताया कि नाबार्ड द्वारा आगामी चार वर्षों में उत्तराखंड के कृषकों एवं कृषक समूहों को 785 करोड़ रुपए का ऋण आवंटित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस अवसर पर नाबार्ड के प्रतिनिधि श्री विकास जैन ने नाबार्ड द्वारा संचालित कृषक उपयोगी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। श्री जैन ने क्रेडिट गारंटी योजना की जानकारी भी दी। विभागाध्यक्ष, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग डा. एस. के. शर्मा द्वारा कृषि अवसंरचना निधियों के कुशल उपयोग में विश्वविद्यालय की भूमिका विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

इस अवसर पर कृषि निदेशक, डा. के.सी. पाठक तथा निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. अनुराधा दत्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यशाला में संयुक्त निदेशक कृषि सांख्यिकी एवं संयुक्त निदेशक कृषि नियोजन द्वारा कृषि अवसंरचना निधि की जानकारी भी दी गई। इससे पूर्व निदेशक शोध, डा. ए. एस. नैन ने अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम की रूप-रेखा बतायी। कार्यक्रम का संचालन सह निदेशक, डा. पूनम श्रीवास्तव ने किया। इस कार्यशाला में 129 किसान सहित 250 प्रतिभाग उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम के आयोजन में कृषि निदेशालय उत्तराखंड के डा. अभय सक्सेना, श्री अमरेंद्र चौधरी, श्री विजय देवराड़ी, श्री देवेन्द्र राणा, डा. विकेश यादव, गोपाल सिंह भण्डारी, सोमांश गुप्ता, अभिलाषा, डा. परमाराम, डा. ए. के. शर्मा, डा. डी. के. सिंह तथा सुरेश कुमार एवं विश्वविद्यालय के डा. एस. पी. सिंह, डा. वी. के राव, डा. सतीश कुमार शर्मा, डा. आर. एम. श्रीवास्तव, डा. ए. पी. सिंह, गिरिजा शंकर शुक्ल, तुमुल श्रीवास्तव, शैलेंद्र कुमार, संजय सिंह, रीतेश तथा विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों का योगदान रहा।

कार्यशाला के दौरान मुख्य अतिथि संबोधन करते डा. जे. कुमार।